नव वर्ष के स्वागत के लिए पर्यटन नगरी पन्ना तैयार

प्रसिद्ध पर्यटन और धार्मिक स्थलों पर बढ़ेगी भीड़

नवभारत न्यूज

पवई/पन्ना 28 दिसंबर। पन्ना जिले को प्रकृति ने भरपूर प्यार दिया है जिससे पन्ना शहर सहित जिले में फैले अद्वितीय पर्यटन एवं ऐतिहासिक दर्शनीय स्थान हमेशा पर्यटकों के लिए आकर्षण का केन्द्र रहे हैं।

मिनी वृन्दावन के नाम से मशहूर है पन्ना:- भव्य एवं दिव्य मंदिरो की नगरी पन्ना मिनी वृन्दावन से नाम से मशहूर है। किवदंती है कि भगवान श्रीकृष्ण के सात विग्रह है। तीन विग्रह तो वृन्दावन धाम में है एवं तीन विग्रह राजस्थान में है और उनका एक विग्रह पन्ना में भगवान श्री जुगल किशोर जी मंदिर में है। जिसको लेकर पन्ना स्थित आस्था एवं भक्ति के संगम भगवान श्री जुगल किशोर जी मंदिर में संपूर्ण भारत वर्ष व विदेशो से श्रद्धालु दर्शन लाभ लेने के लिए यहां खिचे चले आते हैं। यहां पर अमावश्या व पूर्णिमा पर हजारो श्रद्धालु दर्शन करने के लिए पहुंचते है। प्रात:कालीन एवं शयन आरती आकर्षण का केन्द्र रहती है। भगवान श्री जुगल किशोर जी मंदिर के अलावा पन्ना में विश्व प्रसिद्ध बलदाऊ जी मंदिर, श्री प्राणनाथ जी मंदिर, श्री जगन्नाथ जी मंदिर एवं श्रीराम जानकी जी मंदिर स्थित हैं जो श्रद्धालुओ के आस्था का केन्द्र बिन्दु बने हुए हैं यहां पर दिन भर श्रद्धालुओ का आना जाना बना रहता है।

शक्तिपीठ के रूप में विराजी मॉ पद्मावती व कलेहन देवी:- पन्ना जिले में शक्तिपीठ के रूप मॉ पद्मावती देवी, मॉ कलेहन देवी एवं मॉ ज्वाला देवी विराजमान है जिनकी महिमा अपरंपार है यह ऐसे प्रसिद्ध देवी मंदिर हैं जहां प्रतिदिन हजारो श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है। यहां प्रतिदिन धार्मिक कार्यक्रम होते हैं यहां पर श्रद्धालु बड़ी संख्या में मत्था टेकते हैं यह स्थल नये वर्ष मनाने से लेकर हमेशा आकर्षण का केन्द्र रहते हैं। मॉ पद्मावती शक्तिपीठ का दरबार पन्ना शहर के वायपास मार्ग पर स्थित है तो मॉ कलेहन देवी का मंदिर पवई मे एवं ज्वाला देवी का मंदिर अमानगंज में स्थित है। कलेही देवी मंदिर पवई में पतने नदी के किनारे स्थित है। मंदिर में माता की भव्य आकर्षक प्रतिमा प्रतिस्थित है यह अत्यंत प्रसिद्ध मंदिर है तथा दूर दूर से लोग माता के दर्शनो के लिए आते हैं कलेहन माता मंदिर के सामने ही हनुमान भाटा मंदिर है यहां ऊंचे पहाड पर संकट मोचन हनुमान जी की भव्य प्रतिमा प्रतिस्थित है जो बहुत ही प्राचीन है। यहां पर दूर दूर से पर्यटक एवं श्रद्धालु दर्शन करते हैं एवं साथ ही जंगल में पिकनिक मनाते हैं। यह स्थल पर्यटको एवं श्रद्धालुओ के आकर्षण का केन्द्र है।

चैमुखनाथ मंदिर एवं सिद्धनाथ आश्रम:- पन्ना जिले के सलेहा क्षेत्र में पहाड़ के नीचे स्थित चैमुखनाथ शिव मंदिर व उसके पास ही स्थित सिद्धनाथ आश्रम अध्यात्म का केन्द्र बने हुए हैं यह हमेशा ही लोगो के आकर्षण का केन्द्र बिन्दु थे। चैमुखनाथ मंदिर 7वीं सदी का मंदिर माना जाता है मंदिर शिखर युक्त है तथा बाहरी दीवाल शादी हैं गर्भ गृह में चर्तुमुखी शिवलिंग है जिनके शिखर पर मुकुट प्रतिष्ठित है सिर पर जटा जूट दिखाया गया है तथा तीसरा नेत्र खड़ा बनाया गया है लिंग के चारो ओर सर्प के समान शक्ति लिपिटी है जिसे कुण्डनी कहते हैं शिवलिंग में बने मुख उच्च कोटी की कला के उदाहरण है तथा यहां पर बसंत पंचमी के दिन बड़ा मेला लगता है हजारो श्रद्धालु पहुंचते हैं यह भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग द्वारा संरक्षित स्मारको में शामिल है। इसी मंदिर के पास ही अगस्त मुनी का सिद्ध आश्रम है जो टिर्री नदी के किनारे हैं यहां भगवान श्रीराम की बनवासी भेस में मूर्ति है तथा यह घने जंगलो के बीच स्थल है यह स्थान दक्षिण भारत के श्रद्धालुओं के आकर्षण का भी केन्द्र बिन्दु हैं जहां पर वर्ष भर में हजारो श्रद्धालु पहुंचते हैं।

पन्ना टाईगर रिजर्व:- पन्ना टाईगर रिजर्व पन्ना एवं छतरपुर जिले को मिलाकर 543 वर्ग किलो मीटर के ऐरिया में फैला हुआ है जहां पार्क के बीचो बीच केन नदी अपने विभिन्न स्वरूपो के साथ प्रवाहित हो रही हैं। पन्ना टाईगर रिजर्व में इस समय 100 से अधिक बाघ, बाघिन व उनके शावक हैं इसके साथ ही यहां पर सैकड़ो प्रजाति के पक्षी व वन्य प्राणी पाये जाते हैं यहां के नैसर्गिक रूप के चलते विदेशी पक्षियों की सैकड़ो प्रजातियां हर वर्ष पहुंचती हैं। पन्ना टाईगर रिजर्व में ही केन घडियाल जैसे गहरे स्थल हैं तथा रनेह फाल भी केन नदी के अंदर अपनी शोभा बढ़ाते हुए दिखाई देता हैं इसी पार्क के अंदर धुंधुआ सेहा है तथा पार्क के अंदर ही पाण्डव फाल है जहां के संबंध में किवंदती है कि यहां पर अज्ञातवाश के समय पाण्डवो ने अपना निवास बनाया था इन सब को देखने के लिए यहां पूरे साल देशी एवं विदेशी पर्यटको की भरमार रहती है। पर्यटक नये वर्ष का आगाज करने के लिए यहां बड़ी संख्या में पहुंचते हैं पर्यटको को देखते हुए पन्ना टाईगर रिजर्व पूरी तरह से तैयार है।

वृहस्पति कुण्ड:- जिला मुख्यालय पन्ना से 37 कि.मी. की दूरी पर प्रकृति के बीच बृहस्पति कुण्ड स्थित है जहां पर एक साथ कुछ अलग- अलग दूरी पर सात कुण्ड हैं इन सात कुण्डो में सूरज कुण्ड, वृहस्पति कुण्ड, पत्ता लिया कुण्ड, बेधक कुण्ड, हत्यारा कुण्ड, गरूण कुण्ड एवं गंधर्व कुण्ड शामिल हैं। यह प्राचीन व प्रसिद्ध स्थल श्रीराम पथ गमन में आता है यहां पर देवताओं के गुरू वृहस्पति जी रहते थे वन गमन के समय यहां भगवान श्रीराम आये थे इस ऐतिहासिक स्थल पर शैल चित्र भी बने हुए हैं यहां पर जो फाल बनता है वह आकर्षण का केन्द्र रहता है वृहस्पति कुण्ड में रत्नगर्भा नाम से प्रसिद्ध बागै अपना फाल बनाती है उक्त नदी के उद्गम स्थल से लेकर सेहा शालिकपुर जंगल से कौहारी तक नदी के बीचो बीच व दोनो तरफ बहुमूल्य कीमती हीरा पाया जाता है। यहां पर आज से 50 वर्ष पूर्व मौनी महाराज रहते थे जिन्होंने 12 वर्ष तक गुफा के अंदर तपस्या भी किया है तथा इस सेहा में विभिन्न प्रकार की कामराज, शैलोदक सहित जडी बूटिया भी पाई जाती है जिन्हें आम लोग तो नहीं पहचानते लेकिन जंगलो में रहने वाले आदिवासी आज भी उक्त जडी बूटियो का उपयोग करते हैं। वृहस्पति कुण्ड को देखने के लिए पर्यटक यहां पहुंचते हैं तथा 14 जनवरी को यहां विगत 100 वर्षों से मेला भी लगता है।

सुतीक्ष्ण मुनि आश्रम सारंग

जिला मुख्यालय पन्ना से 18 कि.मी. की दूरी पर पहाड़ीखेरा सड़क मार्ग पर सुतीक्ष्ण मुनी का आश्रम है जिसे सारंगधर आश्रम के नाम से भी जाना जाता है यहां पर बनगमन के समय भगवान श्रीराम, लक्ष्मण व सीता जी ने निवास किया था यहां पर भगवान श्रीराम ने धनुष उठाकर निषाचरो को समाप्त करने का संकल्प लिया था यह एक दर्शनीय ऐतिहासिक स्थल है जहां पर धार्मिक त्यौहारो एवं नये साल में हजारो श्रद्धालु पहुंचते हैं। यहां पर सन् 1764 में पन्ना नरेश श्री हरवंश राय ने श्रीराम जानकी मंदिर बनवाया था यहां पर छोटे बडे सभी मिलाकर 52 मंदिर हैं। जहां पर राम कुण्ड, अक्षय बट, सुतीक्षण मुनी व उनके गुरू ऋषि अगस्त का आश्रम, पंचमुखी हनुमान जी, श्रीराम बैठक, सीता अनुसुईया पर्वत यहां पर तीन कि.मी. क्षेत्र में फैले विभिन्न आश्रम है जिसमें बिहारी जी की बगिया, तालाब, लक्ष्मण कुण्ड, सीता रसोई, हनुमान टौरिया, राम मोहल्ला, दीप स्तंभ, पाषाण धनुष, नवगृह मंदिर, सीता कुण्ड एवं हनुमान टौरिया पर हनुमान जी का मंदिर यह सभी धार्मिक स्थल सुतीक्ष्ण मुनी आश्रम के आस पास स्थित हैं।

एनएमडीसी हीरा खदान

पन्ना जिला सदियो से हीरा के लिए विख्यात है सारे विश्व में प्राकृतिक हीरो के लिए यह जाना जाता है दक्षिण भारत की गोल कुण्डा खदानो से भी हीरे निकाले गए हैं लेकिन पन्ना जैसा हीरा कहीं नहीं है। यहां पर दो हजार वर्ष पूर्व से हीरे निकाले जा रहे हैं प्रसिद्ध मुगल लेखक अबुल फजल ने पन्ना में हीरा निकाले जाने का उल्लेख किया है पन्ना जिले में हीरा होने की संभावना लगभग एक हजार वर्ग कि.मी. में है पन्ना नगर के आस पास एवं अन्य स्थानो से उथली खदानो से हीरे मानवीय श्रम द्वारा निकाले जाते हैं जबकि मझगवां की गहरी माइंस से हीरो का उत्खनन राष्ट्रीय खनिज विकास निगम द्वारा आधुनिक उपकरणो से किया जाता है यह खदान पन्ना राष्ट्रीय उद्यान के प्रवेश द्वार पर स्थित है तथा यह पन्ना से लगभग 20 कि.मी. की दूरी पर है जहां आने जाने के लिए पन्ना बस सेवा उपलब्ध है। मझगवां की हीरा खदान देखने के लिए यहां बड़ी संख्या में देशी विदेशी पर्यटक आते हैं। टाईगर रिजर्व क्षेत्र में यह खदान होने के कारण कई बार पर्यावरण एवं वन विभाग द्वारा इसके संचालन में रोक भी लगाई जा चुकी है।

6 किलो गांजा सहित 3 आरोपी गिरफ्तार, गये जेल

पवई/पन्ना 28 दिसंबर। पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन में पवई पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ (गाँजा) लिये पाये जाने पर 03 आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की गई है। थाना प्रभारी पवई को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि तीन संदिग्ध व्यक्ति जूही मोड पवई अवैध मादक पदार्थ गांजा लिये कही जाने के इंतजार मे खड़े है। जिन्हे पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूँछताछ पर संदेहियो ने अपना-अपना नाम पता पुलिस टीम को बताया गया। पुलिस टीम द्वारा संदेही व्यक्तियो हरप्रसाद पटेल पिता खिल्लू पटेल उम्र 34 साल निवासी ग्राम जटा पहाडी थाना बमीठा जिला छतरपुर, चिरौंजी लाल उर्फ लल्लू पटेल पिता मिजाजी पटेल उम्र 31 साल निवासी ग्राम टपरियन पोस्ट लखेरी थाना खजुराहो जिला छतरपुर, परमलाल उर्फ पम्मू पटेल पिता कलिया पटेल उम्र 22 साल निवासी ग्राम रमपुरा थाना बमीठा जिला छतरपुर के पिट्ठू बैग की तलाशी लिये जाने पर तीनो बैग मे पॉलीथीन से लपटे अलग-अलग 02-02 पैकेटो में कुल वजनी करीब 6 किलो 620 ग्राम अवैध मादक पदार्थ (गाँजा) पाया गया। पुलिस टीम द्वारा तीनो आरोपियों को गिरफ्तार किया जाकर आरोपियों के विरूद्ध अपराध धारा 8/20 एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि गांजा उड़ीसा से सस्ते दामों में विक्रय हेतु लाया गया था।

सर्व वैश्य महासम्मेलन के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन हुआ

नवभारत न्यूज

पन्ना 28 दिसंबर। पन्ना सर्व वैश्य महासम्मेलन के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन शुक्रवार को पन्ना के होटल मोहन राज विलास में आयोजित एक गरिमापूर्ण समारोह में किया गया। इस अवसर पर संगठन के गणमान्य पदाधिकारी, महिला पदाधिकारी, व्यापारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

समारोह में सर्व वैश्य महासम्मेलन के पदाधिकारियों ने अपने संबोधन में संगठन की गतिविधियों और आगामी कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान संगठन के कार्यों और उपलब्धियों को उजागर करने वाले वार्षिक कैलेंडर का विमोचन किया गया। वार्षिक कैलेंडर में संगठन के महत्वपूर्ण आयोजनों, सामाजिक गतिविधियों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की झलक दिखाई गई है।

इसके अलावा, इसमें संगठन के उद्देश्यों और मिशन के बारे में भी विस्तार से बताया गया है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से मनोज केसरवानी, श्रीमती आशा गुप्ता संभाग प्रभारी कैलाश मोदी जिला प्रभारी मनोज केसरवानी जिला अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल कार्यकारिणी अध्यक्ष श्रीमती मंजू लता जैन अध्यक्ष महिला इकाई रामेश्वर गुप्ता संरक्षक अभिलाष साहू श्रीमती आशा गुप्ता गोपाल वरसैया, डॉक्टर महेश खैरा, शैलेश अग्रवाल, मुरारी गुप्ता, सोनू गुप्ता, नरेश तिवारी, अपूर्व शिवहरे, ओमप्रकाश ताम्रकार ,संतोष साहू, दिलीप गुप्ता आदि कार्यकर्ता शामिल रहे।

मवेशियों का टीकाकरण 5 जनवरी से

मवेशियों में विभिन्न बीमारियों की रोकथाम के लिए टीकाकरण कार्य संचालित किया जाएगा

नवभारत न्यूज

पन्ना 28 दिसंबर। पन्ना टाइगर रिजर्व में बाघ पुनर्स्थापना योजना अंतर्गत बाघों की सुरक्षा की दृष्टि से पार्क परिधि से लगे हुए ग्रामों के मवेशियों में विभिन्न बीमारियों की रोकथाम के लिए आगामी 5 जनवरी से 4 मार्च तक टीकाकरण कार्य संचालित किया जाएगा।

पन्ना कोर परिक्षेत्र के ग्राम अकोला में 5 जनवरी, बड़ौर में 6 जनवरी, जनधोवा में 7 एवं 8 जनवरी, रमपुरा में 9 जनवरी तथा कण्डवाहा में 10 जनवरी को टीकाकरण किया जाएगा। इसी तरह पन्ना बफर परिक्षेत्र के तहत 12 जनवरी को सलैया, 13 जनवरी को बगलहा, 14 एवं 15 जनवरी को सब्दुआ, 16 जनवरी को बनहरी, 17 एवं 19 जनवरी को बड़ी बनहरी, 20 जनवरी को टौरिया, 21 जनवरी को छोटी बनहरी, 22 जनवरी को नाहरपुर, 23 जनवरी को पाठा, 24 जनवरी को रजपुरा, 25 जनवरी को फूटे, 27 जनवरी को कुरथे, 28 जनवरी को माधेगंज एवं तरौनी, 29 जनवरी को सरकोहा, 30 जनवरी को मनौर, 31 जनवरी को जरूआपुर, 2 फरवरी को कटरिया, 3 फरवरी को अमझिरिया, 4 फरवरी को झलाई, 5 फरवरी को धनगढ़, 6 फरवरी को खड़कुरई एवं 7 फरवरी को रजपुर में टीकाकरण होगा। हिनौता परिक्षेत्र के ग्राम कटारी में 9 फरवरी, बिलहटा में 10 फरवरी, मझगवां में 11 फरवरी, हिनौता में 12 एवं 13 फरवरी और केमासन में 14 फरवरी को टीकाकरण किया जाएगा। इस क्रम में गहरी घाट परिक्षेत्र के खमरी में 16 फरवरी को, मड़ला परिक्षेत्र के ग्राम बांधी में 17 फरवरी, मड़ैयन में 18 फरवरी, दरेरा में 19 फरवरी, बड़ौर में 20 एवं 21 फरवरी, मड़ला में 23, 24 एवं 25 फरवरी तथा ललार में 26 फरवरी, पन्ना (गंगऊ) अभ्यारण्य परिक्षेत्र के नहरी में 27 फरवरी, बगौहा में 28 फरवरी एवं हरसा में 2 मार्च और परिक्षेत्र अमानगंज बफर के ग्राम विक्रमपुर में 3 मार्च एवं मझगवां में 4 मार्च को मवेशियों का टीकाकरण किया जाएगा।

भालू के हमले से 48 वर्षीय व्यक्ति घायल

नवभारत न्यूज

अजयगढ़/पन्ना 28 दिसंबर। अजयगढ़ अनर्गत भालू के हमले के मामले निरंतर आ रहे है। ऐसा ही एक मामला अजयगढ़ की ग्राम पंचायत भापतपुर कुर्मीयान मे देखने को मिला जहाँ पर शौच के लिए गए एक युवक पर भालू ने हमला कर घायल कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इमरत अहिरवार पिता सरमन अहिरवार निवासी भापतपुर कुर्मीयान शौच के लिए जंगल गया हुआ था तभी अचानक भालू ने युवक के ऊपर हमला कर दिया। युवक के द्वारा पानी की बोतल का प्रयोग करते हुए गुहार लगाई गई आवाज सुनकर आसपास के लोग एकत्रित हो गए और भालू को भगाया गया। जिसके बाद परिजन और गाव वालो की मदद से अजयगढ सामुदायिक स्वास्थ केन्द्र लाया गया जहा इलाज जारी है।

कार एवं लोडर के बीच जोरदार भिडन्त, एक दर्जन घायल, इलाज जारी

नवभारत न्यूज

अजयगढ़/पन्ना 28 दिसंबर। मैजिक लोडर गाडी एवं इंडिगो कार की आमने समाने तेज रफतार के कराण जोरदार भिडन्त हो गयी जिसमे कार न0 डी एल 9सी बी के 2646 जो उत्तर प्रदेश की बताई जा रही थी।

करतल तरफ से अजयगढ की ओर आ रही थी और सब्जी से भरा लोडर (मैजिक) गाडी अजयगढ़ की तरफ से करतल की और जा रहा था तभी अचानक दोनों वाहनो की तेज राफतार के कारण जोरदार भिडन्त हो गयी जिसमे शंकर प्रसाद पिता बेटा लाल उम्र 35 वर्ष अजयगढ संदीप कुशवाहा पिता किशन उम्र 30 वर्ष अजयगढ हरिओम पिता शंकर प्रसाद उम्र 30 वर्ष अजयगढ एंव कंचन अवस्थी पिता नीरज अवस्थी निवासी अतर्रा उम्र 29 वर्ष आकांक्षा अवस्थी पिता राजा अवस्थी नि0अतर्रा उम्र 25 वर्ष धीरज अवस्थी पिता राजा अवस्थी उम्र 26 वर्ष निवासी अतर्रा रश्मि अवस्थी पिता राजा उम्र 22 वर्ष निवासी अतर्रा, विमला अवस्थी पिता राजा उम्र 55 वर्ष निवासी अतर्रा छवि पाण्डे पिता दयाशंकर उम्र 27 वर्ष निवासी अतर्रा आदविक आवस्थी पिता नीरज उम्र 11 वर्ष निवासी अतर्रा जिनको 108 की मदद से अजयगढ सामुदायिक स्वास्थ केन्द्र लाया गया।

डाक्टरो द्वारा अजयगढ निवासी को जिला अस्पताल पन्ना रिफर कर दिया गया एंव अतर्रा निवासी को ऐम्बुलेंस की मदद से अतर्रा भेजा गया।

लुधगवां में कंबल वितरण कार्यक्रम आयोजित

नवभारत न्यूज

पन्ना 28 दिसंबर। ग्राम वन समिति लुधगवां में आज दिनांक 28 दिसंबर को सेवानिवृत्त वनपाल काशीराम शर्मा के करकमलों से कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर उनके कार्यकाल के दौरान वन सुरक्षा एवं संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने वाले, उनके द्वारा चयनित ग्राम वन समिति सुंगरहा, लुधगवां, पुरैना एवं परसवारा के कुल 50 सदस्यों को कंबल वितरित किए गए। कार्यक्रम में कंबल प्राप्त करने वाले सदस्यों के अतिरिक्त अन्य ग्रामीणजन, वन परिक्षेत्र अधिकारी शाहनगर राजुल कटारे तथा वन अमले के सदस्य भी उपस्थित रहे।

कंबल वितरण के उपरांत काशीराम शर्मा ने उपस्थित सभी सदस्यों से वन सुरक्षा एवं संरक्षण में निरंतर सहयोग की अपील की। इस अवसर पर वनपरिक्षेत्र अधिकारी राजुल कटारे द्वारा वन विभाग द्वारा ग्राम विकास हेतु संचालित विभिन्न कार्यों की जानकारी दी गई तथा आवश्यक ग्राम विकास कार्यों के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए गए। साथ ही ग्राम वन समितियों की भूमिका, दायित्व एवं उत्तरदायित्वों के बारे में विस्तृत जानकारी भी साझा की गई।

पटवारियों की कारगुज़ारियों से जनता परेशान, रहते हैं नदारत

नवभारत न्यूज

गुनौर/पन्ना 28 दिसंबर। विकासखंड गुनौर में पटवारियों के ऊपर विभागीय अधिकारियों से लेकर शासन के जिम्मेदार भी मेहरबान हैं जिसका परिणाम जनता ही नहीं कई प्रभावी लोगो को भी भुगतना पड़ता हैं।

सबसे पहली गड़बड़ी तो पटवारी जैसा जमीनी कर्मचारी जिसकी हर वक्त जरूरत रहती है किंतु पटवारी का जरूरत में हफ्तों इंतजार करना पड़ता है क्योंकि कुछ जिला मुख्यालय में तो कुछ दूसरे जिलों में रहकर अपनी नौकरी ऐशो आराम से कर रहे हैं। कई ऐसे मामले हैं कि तहसीलदार एसडीएम के आदेश व अन्य मामले जो स्वत: अमल में लेने करने की जिम्मेदारी पटवारी की है किंतु पटवारी मौके पर मिलने व आदेश हाथ में देने के बाद भी उंगलियों में गिने जाने वाले लोगों के ही काम बिना पैसा लिए करते हैं पैसा ना मिलने पर त्रुटि करने के अधिकार का उपयोग करके जानबूझकर रिकॉर्ड में कमी कर देते हैं जिसका रिकॉर्ड सुधरवाने के लिए ऐसे पटवारियो की करतूतों के कारण कई किसान सालों से तहसील व एसडीएम कोर्ट के चक्कर लगा रहे हैं। ऐसे नैतिकताहीन पटवारियों की कारगुज़ारियों के चलते कई परिवार विवादों से जूझ रहे हैं कहीं-कहीं तो इनके कारण मृत्यु जैसी अप्रिय घटनाएं भी घट चुकी हैं। अभी हाल में गिरदावरी में गड़बड़ी करके कुछ पटवारियों ने व्यापारियों को लाभ पहुंचाने के लिए गलत फसल दर्ज की है मौके पर जांच हो जाए तो सट्टा सामने आ सकती है। जिसके कारण वास्तविक किसान जिसने धान की फसल बड़ी मेहनत से पैदा की है उसको अपनी धान खरीदी केदो में बेचने के लिए परेशानी से जूझना पड़ रहा है एवं खरीदी केदो में वास्तविक किसान को दलालों से मिलकर धान तुलवानी पड़ रही है।

बाईपास रोड पर पलटा ट्रक, कोई हताहत नहीं

नवभारत न्यूज

पवई/पन्ना 28 दिसंबर। शनिवार की देर शाम पुट्टी से लदा हुआ ट्रक के पवई बाईपास में सांदीपनि गार्डन के पीछे पलटने का मामला सामने आया है।

बताया जाता है कि ट्रक कटनी बड़वारा से पुट्टी लादकर ग्वालियर जा रहा था, तभी पवई बाईपास पर सांदीपनि गार्डन के पीछे मिट्टी धसने की वजह से ट्रक पलट गया हालांकि ट्रक पलटने से किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं हुई।

ईवाई कम्पनी के चेयरमैन मेमानी ने किया टाईगर रिजर्व का भ्रमण

नवभारत न्यूज

पन्ना 28 दिसंबर। ईवाई लिमिटेड कंपनी के चेयरमैन एवं सीईओ राजीव मेमानी ने आज पन्ना टाइगर रिजर्व में मडला गेट से जंगल सफारी की। क्षेत्र संचालक पन्ना टाइगर रिजर्व नरेश सिंह यादव सर द्वारा मेमानी सर का स्वागत किया एवं पार्क प्रबन्धन से जुड़े विषयों के बारे में अवगत कराया।

कड़ाके की ठंड बच्चों के लिए हो सकती है जानलेवा, सावधानी बरतने की जरूरत

नवभारत न्यूज

पन्ना 28 दिसंबर। ठंड बढ़ने के साथ ही बीमारियों का खतरा भी बढ़ा है और सर्दी जुकाम से पीड़ित बच्चे इलाज के लिए जिला चिकित्सालय पहुंच रहे हैं। ऐसे में जिला चिकित्सालय के शिशु रोग विशेषज्ञों की ने बतौर सलाह देते हुए बताया कि हाइपोथर्मियां में तेज ठंड की वजह से शरीर के साथ ही दिमाग जमने लगता है। जिससे रोगी के हांथ पांव ठंडे पड़ने के साथ ही काम करना बंद कर देते हैं।

पेट दर्द के साथ ही मरीज को असहनीय दर्द का शुरू हो जाता है। इस बीमारी से ग्रसित मरीज का शरीर का नीला पड़ने लगता है। कई बार यह जानलेवा भी हो सकती है। लिहाजा यह कहना गलत नहीं होगा कि शरीर का तापमान बढ़ने के साथ साथ ही घटना भी खतरे में खाली नहीं होता है।

36.5-47.5 डिग्री के बीच हो शरीर का तापमान:- चिकित्सकों की सलाह के अनुसार बच्चों के शरीर के तापमान सामान्य तापमान 36.5 डिग्री सेल्सियस से 47.5 डिग्री सेल्सियस के बीच होना चाहिए।

तापमान 36.5 डिग्री सेल्सियस से 1 डिग्री कम यानि 35.5 डिग्री सेल्सियस भी हुआ तो वह कोल्ड स्ट्रेस की श्रेणी में आ जाता है हालांकि इससे बचने के घरेलू इलाज भी है। जिसमें कम्बल में लेटाना, टोपा लगाना, गर्म हीटर में रखना ये सब किया जाता है। परंतु स्थिति तब गंभीर होती है कि अगर बचचे का तापमान और 1 डिग्री कम हुआ यानि 34.5 डिग्री सेल्सियस हुआ, जिसे सोवियर हाइपोथर्मियां कहा जाता है इस स्थिति में किसी भी बच्चे की जान भी जा सकती है। इस बीमारी मे रोगी का पूरा शरीर कांपने लगता है। हांथ पैर में जकड़ने लगते हैं। दिमाग शरीर से नियंत्रण खोने लगता है। हृदय गति तेज हो जाती है।

क्या है हाइपोथर्मियां उपचार

चिकित्सकों के अनुसार हाइपोथर्मियां के रोगी को सबसे पहले गर्म कपड़ों से ढ़ंककर किसी गर्म कमरे या गर्म जगह पर लिटा दें। ध्यान रहे कि ऐसी स्थिति में सीधे गर्मी देना खतरनाक हो सकता है। चिकित्सकों के अनुसार नवजात शिशु का शरीर बेहद संवेदनशील होता है। इस बीमारी से बचाने के लिए कंगारू मदर केवर तकनीक सहायक है। मां शिशु को सीने से चिपकाकर अपने शरीर की गर्माहट से बच्चे के शरीर के तापमान को बनाए रखती है। इसके बाद पास के जिला अस्पताल के एसएनसीयू या एनबीसीयू में ले जाएं जहां इन्हें वार्मर में रखकर बच्चों का तापमान 37 डिग्री में सेंटेन रखा जाता है।